

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on a fragment of papyrus. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is highly stylized and compact. The papyrus fragment is aged and shows some wear and tear at the edges.

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on a fragment of papyrus. This section continues the text from the previous fragment. The script is consistent with the one above. The papyrus fragment is aged and shows some wear and tear at the edges.

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on a fragment of papyrus. This section continues the text from the previous fragment. The script is consistent with the one above. The papyrus fragment is aged and shows some wear and tear at the edges.

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on a fragment of papyrus. This section continues the text from the previous fragment. The script is consistent with the one above. The papyrus fragment is aged and shows some wear and tear at the edges.

नैति सुनयानेन
संशयो व आसया विज्ञानेन संशयं यथा न नाम शयो
न नाम शयो ॥ अथ यंचाननपर्वणि न स ॥ अथ द्रवपुष्प
क ॥ प्रकाशं द्रवपुष्पं च जगदीर्न दिवतुर्गुह्यं ॥ अथ च कुय
वैदद्या सितायुक्तं ॥ अथ वच ॥ कद्रुयं चतुर्थीर्न जाती हलैच
कसनी ॥ कर्णुर्न हनवीर्न च आकर्कलै जातिपट्टिका ॥ वत्स
नागं च नागचक्रं केलं पुनश्च कर्कवाचु वीजं ॥ अथ च
अहिहून च चयने ॥ अथ केलो हवंगी च प्रपकं च पना
की ॥ विजया कुदवी दद्यात्सर्वं मकरकानयन ॥ एकथ कर्ष
मात्रं च जनाप निरुता सनी ॥ सर्वत्सु न पुष्टा एव दृष्टा पित
त्रहमयत ॥ ॐ निलवं गथा क ॥ ॥ ॥

१ अजिगा मेली ॥ अथार्गयाती पल १ रामना जग
समि १ हा कचाक्षी १ ॐ वमी ताला १ इयिच केल
लिच कन वृष्टो थ च कनै मथान सागा हा ॐ वसाहि
नीव ॥ ॥ अथ सुविवादि नैल ॥ मनिचै पिपली निमु उमी
लै से धर्वन था ॥ मिहोला का गू उची च अजा था ॥ मजं जं रु
था ॥ नगानि कर्षदायी नास्त्रा मी सिप्रभन ही ॥ ननदिकर्षमा
प्रिह नैल च कू उर्वन था ॥ क्षीर्न च दिगु हं दद्यात्समुद्रि हिन
न था ॥ मनिवादि मिद नैल ॥ नने मु छनि नाप धन ॥ अमीति
वा न जा ना गम के ला निमति पे लि कान् ॥ विमति ॥ अथि कान्
॥ वेव संधिमर्ज गगन वि ॥ अथ गगन कवा ना दी आस वान
कटिगुहं ॥ अनाथ विवि धवा ना ना मथै लमू लमी ॥ म
निवादि नैल ॥ वाग नाग ॥ ॥ ॥

त्या गुणिका न तिसी युता ॥ जे पट्टे होव व ना मी धातु प्रसिक्क न
 रवण ॥ ह वै ना ग ह नी मूकं सर्व पाप ह यं ह न ॥ ते न व ग्र ठिका
 ॐ नै मं नि वों यं ॥ श्री गं ॥ हो मं यं नै मं ॥ श्री गं ॥ हें व न म ॥ ॥ थ म कु
 न हें न व ग्र ठिका सा ह न या य वा न ॥ ॥ ॥ अथ ब्रह्म ना क म ॥
 न स ॥ घा ल या ॥ या ना ग ध क सा हं म लिला थ नि स म रा ग तु
 ल सी या न स स नी य वा न १ लि व सि ती स वा न १ नि न कं नि डा व
 ग लि वि न मा ग्रा न नि १ न कं स म रु घा ल या क कू या ला ढ ॥ ॥
 अथ ब्रह्म ना क स गे ल ॥ कु उ वं मा र्घ यं ने लं ने ला र्घं ॥ ग म द्य न ॥
 स च ॥ न की क र्ण य च रं लू सूर्य यं न स न तु ॥ न त्य ग्न स्य य
 लं क र्क द त्या च या च य न ग ॥ न त्य कं च्छा न शि ला न
 श्री वि नि क्षि प न ॥ ग ध कं मू द्ध सि न्धु लं ह लि ना ल

काम सा ह ल दा या र्क सर्व सि दि न स मं भ य ॥ ॥ ॥ नि म्म न स
 जी व नी पा क र्ण य ॥ ॥ धू ल न वी र्ज नि र व न मा ग
 स जे वी ह न च सि व सा ना ॥ वृ न कं ज मू च व स म रा ज
 दि थ क हिं गु न व स म रा ग म ॥ स म्भ क च र्क य अ नू स ह
 पी ना न व ध क्ष ना ग म स ज य नि सा ना ॥ व ल स म नू ना ह
 गू स ह गु ला ॥ ना म य स र्ण श्री गु र व च ना ॥ क न व स
 द न च र्क ॥ ॥ अथ मा हा सा सी ग के न स ॥ न स ग ध क न
 हा र्ण म र व च र्क स म नि र्ण ॥ प्रि क रु कं हिं गु ज रं वि र्च
 च व दि ण गि र्क ॥ म र्द य जा म मी तु ने नि र्वा ना ड
 क स नि र्ग ॥ सा सी ग क न मा ना म सा सी ज य नि मि र
 नी ॥ सा सी का सी क र्ण हि का या हू म ह स का म ला ॥ अथ
 वा न द्य न स ॥ या ना र्ण १ ग ध क १ वि र्च १ म नी च १ वि य ला
 म ० १ वि य ला मु ल ख हं म अ क र्क ला १ स र व मी ड ल
 वा न य न स

१॥ गी। लो। मय नमः ॥ गी। लो। क। वी। ध। नि। नाम। पा। कः ॥ १॥
हं हं लं लान वी जं। मै कं वी जं स लो। कं जं ॥ मूं गी ली नाले
कं दचे माष पृषु वला लके ॥ गं गं ट के म्प खे डाले म
दी का स ह नू ष के ॥ पू गं ह य न डी नू नि। वा हु जी ग
ह ल ग यी ॥ ल वं गं नू ष न च वी मा न ग वं म लो च न ॥ जा ति
रु लं म ना व यी म म्प ग म्प म वी व ला ॥ क ह लं पो स्क ल
कृष्ण गं नि के म जं मा ट के ॥ धा न्यं वि गृ के मु स्ता नि म था
दि यं क वं से के ॥ क वी नं द म ना ॥ ए व अ हि दि नं स दं
मं ॥ मृ ग ना हि म्प क यु नं नू लाम धं क य वि का ॥ वि ठाली
की न वं डा म्प ला गी न लं वृ षा वि य ॥ ना स्ता पु न वं वा दा
न नो धं क काल का वि न ॥ गं ट ला म्प वी व ला ॥

नी॥ ग० उ० प्र० वा० ह० र० दि० ने० ना० म० ना० ग० क० या० ह० वः॥ की० हा० व०
ला० नि० म० न० च० व० व० दि० म० हा० र्ग० ना० म० य० न॥ वा० ग० डी० वि० रु० ज० अ०
व० अ० वि० के० स० त्रि० पा० ति० के॥ न० न० न्या० ति० ग० था० ग० हा० व० ली० प० लि०
न० ना० म० न॥ अ० हा० क० ना० ग० सी० प० ना० वा० धि० इ० रे० म० य० ना० म० य० न॥
ग० टि० का० र० क० मा० गु० हा० या० न्या० स० रु० म० की० ठ० न॥ डा० डा० स० रु० डा० स०
क० ली० व० दि० का० या० नि० व० दि० द॥ स्त्री० ह० म० व० म० म० न० कि० र्था० न० सु०
ख० वि० न्या० म० ना० न० म॥ वृ० द्वा० नी० यो० व० ह० म० अ० ये० व० म० ट० न० काम०
म० न० म० न॥ नि० रु० जा० यी० स० म० द० वि० पो० त्र० षी० वी० न० मा० प्र० मा० म॥
वा० धि० म० का० व० म० स० य० न॥ उ० ला० क० वा० धि० नी० ना० म० म० नि० नी० च०
प्र० की० र्ति० ना० ॥ उ० ला० क० वा० धि० नी० ना० म० पा० क० ॥ पु० दि० क० ने० हा० या० ॥
॥ अ० र० म० सु० ॥

उ० ला० क० वा० धि० नी० ना० म० पा० क० ॥ मा० श० ह० ल० ता० १० सा० न० वी० ता० ॥ स०

१७ लोक वोध निपा ३॥ माइ हल ना १ सान वीज ॥ सु
 सु सियु ना १ अमे बा ना १ सु सनी ना १ गाले म बा ना १
 ग्र मा स ना १ वे लाल के ना १ सिं घा ना १ खे श सि ना १ म
 सि ना १ हल्ले ष के ना १ लम य न वी ना १ जी रु जी क बु जी
 चो रु जान के ना १ गि हल ना १ न वी ना १ गि के रु ना १
 च वी का ना १ मा री ना १ वे ना १ लो वी ना १ जि हा ना १ स ना व नी
 अ म्ब ग म्ब ना १ ४१ ठी. वे द्या चो ना १ के व सि की ना १ पू स्के ना
 मी ना १ पि पि ना १ पि प लाम ना १ अ ज मा ना १ लम सहै च
 न हा ना १ बा ष्ठ क सु ना १ मि ना १ ०० मी ना १ ०० रु जे व ना १
 क चू ना १ द मन ना १ अ हि. के ले बाला ना १ क सु क रू न
 याला ना १ ०० छि मि ना १ वि दा पि की द ना १ रु ध दा न ना १
 वे य ना ना १ अ लाल. आ ल ह ना १ ३ गु का ना १ पु न द
 द व दा न ना १ ०० ला. का के ला ना १ गु गु दि हा ना १
 क स हा. उ हा खी ना १ न क ला य. रं ग ना ज. धो सी या
 ल ना १ वी ज म ल. का व रु. बाल च ना ना १ म ध. का के ला
 ला या सि. सा या सा. वि नि सि य. ख न म ल ना १ अ एक
 पा ध सु ध गु वी ग. ना मु ह मे. ली ह. लू ह मे डा ह
 ह मे. ना ४ ध गु न वी ज सु ध गु. गम जि डू डू. सा व
 वा कू व रु रा ग क सि ध ल प्र १ मा ग्रा क र्ष ना १ प्र मा
 न गु ठि का ३ लोक वोध निनाम पाक ३॥ ॥ ॥

१ सा थ स मू ड पा न हं ल का रु ना व उ य न ड न पा क य घा व डू व
 ना थ आ रु ॥ ॥ ध म नु न धा न ३ ज प ल पा व न के अ य स्मा न ला
 ४ प्र न क खे व ॥

॥ नीलाग्रं जन्तुकासीसं धनुं हस्तपादिनी । सूर्यरक्षावर्जी ॥
लीलिस्त्रुगुल्यानिलपथम् ॥ हस्तस्त्रुगुल्यानिलपथम् ॥ सूर्यरक्षावर्जी ॥
पुनपुनः ॥ स्वर्गद्वयनिर्हन्त्यासुसाध्यासाधनसंभयः ॥ ॥

अथ विग्रहः ॥ गृजाकुलानि चूर्णं च लपितं स्वर्गद्वयम् ॥
लेखावर्जी ॥ लेखावर्जी ॥ लेखावर्जी ॥ लेखावर्जी ॥ लेखावर्जी ॥
मिलायामा गेहसापिलिफं चिद्रविनामयम् ॥ **अथ विग्रहः ॥**
अथ गृहणीकपाननम् ॥ मानमोकिदहमानिसान ॥ अथ केक
रागिकाः ॥ द्विगुणः ॥ गगधकसूनासिहामर्दवृद्धिमानः ॥ कपिलस
नसे गमर्दं मृगम् ॥ गगधः ॥ द्विगुणः ॥ पृष्ठम् ॥ धूपुष्टनेवगाः ॥ उद्ध
त्यमर्दयम् ॥ वलानसेस फवलमयामार्गनसेसिधालाधुप्र
तिविषामुसुधमकीन्दुयवाम्नाः ॥ ॥ पुष्टकमवाहनसेस

वनास्याप्रिधामिधामावमागानसादयामधुनामनिचेस
था ॥ हन्यासर्वमनासाने गृहणीसर्वजामपि ॥ कपाठा गृह
णीना ॥ गगसायेवक्रिदीपनी ॥ **अथ वागनामनामनाम् ॥**
मृगहातकवेजातिनामृजलाहमादिर्कालनीलीजनी
पुष्टमहिहूनसमीपक ॥ पंचानीनवद्वनीचलागमक
विमर्दयम् ॥ वद्राक्षानेदिनेकेगुरुकाध्वरुधनपवम् ॥
माषेकमाद्रकद्रावेस्रहयद्रातनामनी ॥ पिप्पलीमू
लका ॥ थचसकसकसमरुपाययम् ॥ सर्वीकातविका
नेसुनिहन्त्याकेयकादिकान् ॥ **अथ गगधकपाननम् ॥**

तिकुटुसधुचिहिनखानयारयालगा १ अमृतामी ३
यालुतिष्टकरुयावास ॥

अथ गगधकपाननम् ॥

धान नागमन वात (हृष्या समुहवान् ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥

अथ मन्त्रः ॥ ताली व डी हवर्ध च नामसूतैव
गन्धर्वैः ॥ लाहकुम विवर्धनीकु यीद नामिमरुथो वि
मर्द्याक न्यकोद्रा वैर्यसका चमथयट ॥ विमृडापि
ठली मधधानयसैधर्वै समैः ॥ पि० नीमृदयत्तमयक
नमृध्वली निवमथत् ॥ वक्रि० मनेमने० कृषीदिनेकं नमृउ
धनत् ॥ स्त्री गभीनैवसर्वर्ध तावथदकैदु गधर्वैः ॥ अ
थ गन्धर्वैका काली वाननीमृमनी इना ॥ त्रिविधं
नसेनासासगावयौथ तावथत् ॥ यद्यैकं वसन्तर्धन
सैः कीमस्यतावथत् ॥ कसुनी वाषक पुन कर्कशे

लालवंगक ॥ पूर्ववर्धद्विमीसमगवर्ध विमिथुय ॥
सर्वैः समीमनालावदला मनामिती पिवत् ॥ मध
ग्वद्विषलनेवमधना हानसवक ॥ अस्यैगवा सोद्वय
वलनडा विवर्धयत् ॥ नरहीनमथवक्रि नवहा नियुजा
यत् ॥ **अथ मन्त्रः** ॥ त्रिहलानजनीयुर्मै कठकानि
युगीसठी ॥ त्रिकटु गक्रि मूर्ध्वचगुद्वी धन्ययासक ॥ क
द्रकायर्थे ठामृग्रायमाना चवाले वै ॥ निम्वयुत्कल
मूर्लेचमधूयव्वीचवत्सर्क ॥ यवानानुयवा लामि
य्यीडीसुनाबुडी ॥ वचात्वकद्रका भीनचननातिवि
षावला ॥ ममनयर्ध्वी पृथुपध्वी विठंगी नगनीनथ ॥ वि
गुकायवदानुग्वचर्वी यर्धयथालडी ॥ डीवकैर्वैरुको

वैलालवंगं वमलोचन ॥ ममनीन ॥ ममनीन

शुकादिपदान् रश्मिचक्रं यद्वयं लज्जा ॥ ३ ॥ विष्णुचक्रं

वे लालत्रंगं वमलाचना । पृष्ठुनी केच का काली पशुक
जागिय शुकं ॥ गालि सुपुत्रं च न था समल गम निवर्द्धय ॥
सर्वं चूर्द्धस्य चाक्षी संकेलानं संप्रथो जयत ॥ नृपसूद
र्धनं नाम चूर्द्धदा वश्याय है । दानां च निषि लाह न्या
लाश कार्या विवान दमत् ॥ पृथक् कूर्द्ध गणी म्म पि धगुर्द्ध
विषम दार्द्र्य । सत्रिया गाह वी म्म पिमान साद विना म्म शत ॥
भीम कर्ण का सहिका माह के पाशुर्मन्त्र पा । स्वासं का संचया
धुं वरुदा गं हनि कामली ॥ नृक यर्द्ध कटी जानू या म्म
भूलं निवान नी ॥ भीम म्म नापि वक्षी मान् सर्व दान निवान
नी ॥ सुद र्धनं यथा च कर्द्ध दानवाना विना म्म नी । नृद न न ना धी
सर्वं वी ० ० ० चूर्द्ध तु ना म्म नी ॥ **सुद र्धनं चूर्द्ध** ॥ ॥

अथ विष्णुचक्रं ॥ अर्द्ध दाने ० गवामुष्टे ० म्म दाने ० व ० म्म न ० म्म न
विषं स ० म्म दय क्षी मान जायत चामृ ता य म्म ॥ **अथ विष्णुचक्रं**
अथ म्म ॥ अथ म्म निमूका पो न मान ० माह ॥ **सुद र्ध** दालि
को य म्म ॥ जय सा स्य न स्य न च ॥ म्म निमूका प्रवा लानि
यामे के सा धनं नृवत् ॥ कृमा यी नृदु लि ज न स्य
न च निष च यत् ॥ प्रत्ये के सफ वे नृस्व न फग फा नि
कृत् स ॥ म्म कि का नि प्रवा लानि न था नृलान्य म्म
षत् ॥ कृना द्वि वि धे व क्ष नि मि य न ना गृम स्य ॥ ॥
उक व मा धि वत्सु का प्रवा ला नि व मान यत् ॥ वृज
वत्सर्व नृलानि म्म ध यत् मान यत् पृथक् ॥ **अथ विष्णुचक्रं**
अथ म्म मान ॥ अथ रेया लं को ल्य ना ॥ दाने व

माना के च पुन नैया ॥ प्रभु न ही मधि म नैः कुर्या दम
पन पथ के ॥ चरु डाले जल प ली पाद मे व भग न
यग ॥ मेला ध के न स या ध भग व र्या न सा ध के ॥ कि प
न जो ज ल की न ने ला रु स्या च रु रु र्ही ॥ ग ने वि पा च य
हे लं पाने व सो च जो ज य न ॥ य का घा ग ह न र्ही म न्या
ह र्ही ग ल गृही ॥ क ल र्व व धि ने र्व व ग ति र्ही ग के र्ही गृह
ग गृ ॥ भ व डिय ध सो ने रु रु क दो न क यान ॥ अं गृ व डि
क र्ही दं च द न नो ग भि ना गृही ॥ पा र्व भ र्व लं च पां गु र्व
व डि हा नि च गृ र्व सी ॥ अ न्या र्व वि ष मान् वा ग न ज य न
स र्वी ग स भ यान ॥ अ स्य पु र्ण वा र्व धा वि ना नी पु र्व प्र भु
य न ॥ म र्ही ग जो वा रु न ग र्ही ला द स्या न् रु र्वी ए व न ॥ अ धा
ना ना य नो द वा ड र्व दे ल वि ना भ न ॥ न र्वे र्व वा ने ना ग
नी ना भ न ने ल म र्ही म ॥ ना ना य न र्ही म ॥ ॥ अ ध म र्ही म
ने न वा न र्ही म ॥ म र्ही म र्ही म र्ही म र्ही म र्ही म र्ही म र्ही म
से र्व र्व ग र्व के ग र्ही के रु की व र्व य स र्ही ॥ पु न र्ही वा द
व दा लु नि रु र्वी न रु र्वी य के ॥ ति के को ग र्व की दा र्वी ने
के न र्ही द य न र्ही ट ॥ मो व मा र्ही सि रु र्वी पु न र्ही म र्ही न र्ही न
वी ॥ क र्ही ग प्र सी र्व र्व नि म्भ के र्व वि र्व र्व न ॥ ॥
रु क न वी न गि हा द नी ए र्व रु को ग र्व की ह र्ही ने ए क र्ही द
की र्ही लं प्र स र्ही ना म सा न नी ॥ क र्व वी न र्ही म ॥ ॥ अ ध र्व र्व
ज नी ॥ सो ना र्ही से र्व र्व र्वे च पि य र्ही र्व र्व न यो ॥ ग र्व ना
र्व र्व र्व र्व ग र्व न व सो वी न की ज नान ॥ पि र्व र्व र्व र्व र्व
ग र्व र्व र्व र्व ज न मि दं ग र्व ॥ की र्व का र्व के र्व र्व ना म ला
नी च वि र्व र्व र्व नी ॥ ल र्व र्व र्व र्व र्व र्व ॥ ॥ ने सो ज नी र्व र्व र्व
सा जा ति पु र्व म न मि ला ॥ स र्व र्व र्व र्व र्व र्व र्व र्व र्व र्व र्व र्व

मनि वा निच ॥ नृगन समं च मधूना विष्वायु किन्नवर्मसि ॥
मृजतं कंदकधुर्धुपेक्षाम् वावेनाहर्ष ॥ नोपधीनसकिया
यष्टी सेधवेगे निवृदावी गाक्षः समी सकेशाङ्गलपिष्टु
वहिले पसर्वन ग्रामयापह ॥ ॥ नाह ॥ स्यपा पुर्मृष्टुष्टान
सानिमहलोहवश ॥ किचिदुधवहिले पो ननु बोधी यथा
हति ॥ ॥ ॐ निमनगधनात् ॥ ॥ गदुके न समकुलि ॥

साधका नीहिता थय सदा सिवमूर्त्ति हता सर्व वि
षविना साध पाच गं मनु मूलम ॥ ॥ ॐ नमो हग
वन श्री धा (ह) हन हन द न ० यन यन ० नन नन थवन
वन ० वध वध लेः लः लाला हन हन ० मसन थनाना की
की जी जी र ग व नि श्री धा (ह) थः यः यः ससससः वन व

न ० न सः ध न ना वन नृध जी जी जी वन विरुडु ममान
षथा ग द मवद स व नि टः ट स्वा हा ॥ विद्या स्मृति मा तु
न पुन द्वा गृ द्वा का द यः ॥ सफ ऊ फ न ना यन प्रा द्वा ये काल
वादिनी ॥ उतिष्ठ तिस वै (गन सिखा व धन कान थ न ।
प्रिमकी मन सं श्व न दु दु ति वा द थ द्य दि ॥ दसान न स नी
न ह्य नि वि वि षं क ह न द्वा ध न ॥ विषद द्वा य दाम नि म नु

मावर्त यत्सु धीः ॥ याति निविष ग द्वा द्वा नृपि रान सगा निचः ॥
ॐ तिन समकुलिवचनात् ॥ ॥ ह म वि न ह न ति ना ग ग धा न न
को गृ ल्वे न मृ चि त ग तिः क रू वा न ह नाः ॥ कान चि ते वि ध
ये लि क पा द्वा नो ग म ह ना ति रु कि ग ग (ह) स ह ना ग गाली ॥ लो
ह म नः क रू ल स नि रं व रू क स द शान स ना उ य क न ह
व द ह न र व कि नो ग म ग ना धि को स पुन न ति ध मः ॥ ॥

मनः शिला ॥ मो द्वि के पि याली वा र्णा ग रू ॥ नि न स म रू ॥ न रू

सुखं यनम॥ अथ जलचूजनस॥ सुगन्धं च समं गन्धं गन्धं त्वा द
मनः॥ जिला॥ मोक्षिकं पिपलीयां प्रत्येकं जिलाया समं॥ चूर्णं य
हव ययिह मन्त्रं मायून सैतव्यं॥ सकंधा हाव यत्सुखं दयं गूंजा
दयं हिमं॥ गालपधी न स भानूर्य च कालं गता पिचे॥ जलचूजन
सानाम सन्निपातं नियच्छति॥ जलुयागुच कर्तुं चकन वीर्यं तवड
स॥॥ अथ पक्वकानस॥ सुखं सुगन्धं विषं गन्धं मन्त्रिचं टं केन क
मदय धूर्तं जेडा वेदि नमकं न॥ अथ यत्॥ यं च वक्ता न सानाम
द्विगुजा सन्निपातं जित्॥ अर्कमूल कषायैः पु सपुष्यमनूयानयत्
यूकंद॥ दानं पथं जेन यागं च कानयत्॥ न सना न न भं मी नि
सकोडन कला दय॥ मधुर्दक न संचानू पिब दग्नि विवृद्धय॥
यथैष्टं घृतमासा निभन को हाव निपावक॥ २॥ अथ उन्मना न
स॥ न संगंध कपुल्या लां धूतु न हल जे डवे॥ मर्दय दिन म क
उगुल्यं त्रिकं पु क्षिपत्॥ उन्मला कान सानाम न स्यात्सं पा
तजित्॥ ३॥ अथ जन सन्निपात॥ अजिदयक॥ निषेधं जे पालवी ज
दभ निषेधं पु चूर्णं यत्॥ म लिचं पिपली सैर्ग पु नि निषेधं वि मिश्र
त्॥ एवा जं कन जे डावेः सफा हं सप्रयत्न ग॥ न सायं मं ज नू दह
सन्निपातं विना सनं॥ ४॥ अथ नात्राचन स सन्निपात॥ सुटं टं केन
कं उल्यं मन्त्रिचं सुगुल्यं कं॥ गंधकं पिपली गुं छी दो दो हा गो
विचूर्णं यत्॥ सर्व उल्यं क्षिप दं नी विजं नि सु चितं हि वक॥ द्विगु
जे न चूर्णं सिद्धं नाना चोयं माहान स॥ आधुनं मल विषं तम
द्राव र्ति च ना सयत्॥ ५॥ अथ वृद्धा ह दी न स॥ द न दं टं केन
छी पिपली चैव कार्षिका॥ रुमा काय लमा पुं स्या दं नी वी जं च गत्स
मं॥ विचूर्णं कपु सक्ती सि ग्म द्धने वपा च यत्॥ त्रिगुं जं न च न
पुशान् विष्टं ए ध्यान ना गिषू॥ ६॥ अथ नाजमृगं कानस॥ एसा
सुगं प्रया एगु एगे कं हं म एसा कं॥ मृगता मुसा एगे कं मिः
लागं धक गा न कं॥ पु नि एगं दयं शुद्धं मकी कल विचूर्णं यत्
वलाका पुनयं लन छोगी की न मेटं कनं॥ पि सागन म्खं नू दः

कामे कैवल्य कायकुपायं याचैद्विर्जकै॥ वीजपलस्य मूले वसजलैवावदानत॥

नसप्रिविकुमोनामासासेकनाममनीप्रतुत् ॥ २० ॥

महोत्सवं निनाधयत् ॥ अथ गङ्गापूजापत्रं चतुर्थं यत्स्वर्गगीतनी ॥ न
 सा नाजम्भं कार्यं चतुर्गुणैः कथापरा ॥ दमपिथलिकाशोडश
 कान्तिमिदं वक्ष्ये ॥ १ ॥ अथ श्रीनमः ॥ सुखसुखं द्विधर्मं धर्म
 योऽस्वस्व न कर्तुं ली ॥ गथासमं गीतं चतुर्थं मर्दयत्कन्यकाद्वे
 दियामा न्तं कर्तुं ॥ गलं गामपाठं विनिक्षिपत् ॥ आकाशे न धुप
 प्रक्षयामासं त्रुष्टं गीतं वत् ॥ धन्यना सो न्यसत्येव दहनाशतः
 मूढनं ग ॥ संधयं गलं यदसंख्यं वानिगमं वत् ॥ प्रिकुपिः
 हलैला रिजोगी हललवं गकेशं नवरा ॥ गमिते ने ने ॥ समपू
 र्णनसा वत् ॥ संधयं ला उय हो डः ॥ हस्तनिक्षेपं द्वयं ॥ अ
 यमगिनसानामा कय का भ निवृत्तन ॥ ८ ॥ अथ सूर्यो वरुनसः
 सूर्या गंधं कामधायामेकं कन्यकाद्वे ॥ दया सुखं ना
 मपाठं पूर्वकं न लं ययत् ॥ दिनेकं ललिका जनु पक्कमा
 यचतुर्थं यत् ॥ सूर्यो वरुनसा कय द्विगुणं स्वासु डि ह वत् ॥ ८ ॥
 अथ सूर्यो वरुनसा ॥ सुखं सुखं न लं गीतं गंधं कर्तुं न कं ॥ ८
 पथा गिमनं निगुं लुखं न टं कर्तुं विषं ॥ उल्लासं मर्दयत्स्व
 दिनं निगुं लुकाद्वे ॥ मदीडा वे दिनेकं पु द्विगुं जीवटकीक
 र्णं ॥ एकं दानं ना गम लीनामा स्वकं दहे न वी ॥ नात्तामना दवदा
 नृभूषी वा ना विजं स्मृत् ॥ सगुं नु लं विवकाष्टमनूयानं सुखावहं ॥
 ॥ अथ सपाठनी नमः ॥ दग्धं कय दं कानि स्वा लुखं न टं कर्तुं वि
 र्णं ॥ गंधं कं सुखं सुखं न वत् ॥ जीवीन जे ड वे ॥ मर्दयत् हस्त
 नावम निचाष्टं लि ह दन ॥ निह कि गहनी ना गो पथं गका
 दनं हि गं ॥ ११ ॥ अथ विविक्ता नमः ॥ मृगनामम जाशी ने ॥ पा चो
 लं गते ड वे ॥ गलं सुखं सुखं न वत् ॥ गंधं कं वसमं समं ॥ निगुं
 खनं संधं दिनं गली लमं सुयत् ॥ १२ ॥ अथ महागालं नमः
 नमः ॥ गलं गायं गिलां सुखं सुखं न वत् ॥ संधं वटं कर्तुं ॥ समी संधं
 र्णं यत्स्वस्व स्त ॥ द्विगुं गंधं कं ॥ संधं उलं मर्तं गमं जीव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

...नमो भगवते वासुदेवाय ...

ने दिन पंचक ॥ मद्यः सहिः पूतेः पाच्यं लूधनं संपूठादन ॥ द
 नपूतः उवेर्मद्यं सर्वमगनुष्यलं ॥ दिपनं मात्रितं गाम्भीलाह
 एस्मवतुः पलं ॥ उवीनामनगसर्वदिनमद्यं पूतलघु ॥ ति
 भदंभं विषं चास्यदिसो सर्वं विचूर्णयत् ॥ माहियादनसंमि
 र्भं निष्कर्षं हृदयसदा ॥ मधुशर्कराचूर्णं कर्षमात्रं लिह
 दन् ॥ सर्वकृष्णनिहं त्यागुमहागालं स्वनानस ॥ १३ ॥ अथ
 कृष्णना नस ॥ एस्मस्मगसमाग ॥ क्षमणायसामगुमुल ॥ ति
 हलोसमहा निम्विष्टकश्चमिलाजगु ॥ वृथेगचूर्णितं क
 र्णायुष्यकं भानवाउ ॥ वतुः ४ वषिर्कनं जस्यवीजं वृध्प्रक
 लयत् ॥ वतुः ४ वषिर्गण्डवमधु ॥ क्षालयित्वा उयत् ॥ सिग्धता
 लुधनं खाद्यदि निष्कं सर्वकृष्णत् ॥ नसः ४ कृष्णकृष्णनायं गल
 कृष्णनिवानही ॥ १४ ॥ अथ उदयादिना नस ॥ अक्षरं दिक्षीं
 धमर्शकन्या उवेर्दिनी ॥ गणालं पिथलीमधु ॥ गमयाग्रही लो
 धयत् ॥ स्रगका प्रिगुहने वं शुद्धना ॥ क्षमस्वनच ॥ पर्वत
 समिधेयाथपागद ॥ क्षमसयं जलं ॥ किं चिक्किं चित्तुदागर्वा
 वृत्त्यायामर्दयं त्यवत् ॥ वधुगिनागदुद्धृत्य सांगभीतं विचूर्

शुषनं पिथलीमूलं विष्टकं धूलिवीजकं नस गश्च विष ॥
 वृध् सर्वशुल्यं चकानयत् ॥ आडकस्य नस तावेसफवानं
 पूनपून ॥ नेके गुक्षप्रमानं वरुहयत् ॥ द्विदीपनं ॥ ल
 गादाहमात्रकालेन उवीरवतिरस्मर्क ॥ व्याधिगानी हि
 गार्थयदी फाश्च वेत्तवानलं ॥ वदवानन नसगुटिका ॥
 १ काक्षिके सिद्धमृषिका मांसस्य दग्धं गानसा ॥ मृद्वक्षुदनि
 स ॥ कार्यं ॥ अक्षु गन्धक गालका ॥ नसदलं लोहं तद्वर्क ॥
 भुर्लोहार्धं वद्रमानुर्कं सुविमलं सत्येस्यमाषद्वयं ॥
 प्रस्थागानपर्थी पदं निर्यपक्षमृगावामृगागुक्षयाद
 यवृद्धिः ॥ प्रथमं तादयायथ नूकुमान् ॥ नानावर्धुति
 सानसमूदिन नूपा इष्टनका गिसान ॥ चूर्णं दिव्यं

काश्चिदपि कवेः किं प्रिगुहने ॥ लोकाद्वर्णकं विदं गवाजुवीवी काश्चिदपि
 नैव अत्र ॥ दिनं के मद्यं दिना नस ॥ दिना नस ॥ दिना नस ॥ दिना नस ॥

सानेनननकलिननकपिरुदयच॥ वृथाधं वृथाना ॥
 श्रीवलियलितदलानेननालोकहन्ती गेह्यदीर्घिस्तिना ॥
 मिपूननपिनवर्कनागिदहंकनाति॥ पञ्चमृतपय्यमिनस
 ग्रहणधिका॥ अर्थ॥ शुद्धगन्धकगा८ शुद्धनसपालागा ४ शु
 धलोहगा२ शुद्धशुक्रगा१ शुद्धगाममासा२ नृरिकडनिका
 अनयानससुद्धजातिनिय॥ पय्यिकावटपय्यकाकर्य॥
 नृपिपञ्चमृतपय्यटीनस॥ ग्रहणीयावास॥ ४॥ नसपय्यति॥
 जयंलादिनस॥ धितपानाशुद्धगाला१ एगनाडाडव॥
 धितशुद्धगंधकगाला१ उरयमकीकृत्यकर्जलि कीकृता
 लोहडया वदनकासाकानेनफायीकरुलीविधायपाक
 ला॥ महिषिगममथापलितकदलीषुनेवाडादयत॥
 तदुपनिगममयदातव्य॥ तत४भीतलेलातानयत॥
 नसपय्यटी॥ ग्रहणीयावास॥ अथकालेनवनस॥ गालक
 हनवीर्यचगन्धकटंकहंतथ॥ तिष्यानैषैश्वर्यवालंमनी
 चंदसमन्वित॥ सर्वस्वलेविर्मद्याथदालायठविपाव
 यत॥ मत्स्यादिववनाहंचमहिषीशुंजितथाः॥ यिले
 अंतावितंजाथमाषमारुयुथोजयत॥ आडकस्यानु
 यानेनसत्रियातविनासन॥ दाषजननिहंतासुअनया
 नविसवतः॥ पथान्नदाययपथंगकृत्तकंनदापिवा॥ ना
 तिकलादकंदाहयिव४कंनवातिना॥ एदथ०००
 खदानिउपजायकल्पयत॥ सर्वनागदिनस्यकिने
 मायंकोलऐनव॥ अतिकालेनवनस॥ अथकपई
 स्रकुधकन॥ ए०गादध्वकपदकस्यवतथा०००खस्य
 सागदयंतागमगंधकसूतया मिलितथापिष्टम
 नीजादयि॥ नागस्यगुितयंनियोअसकलंनिंदुन
 सचर्हिर्ग॥ नाम्रावक्रिसुगानसायमलिनीत्माद्यं

अथ कल्पद्रुमसमा॥ सुगन्धानकटिककंठसंकं गन्धमूर्ति
विद्रुमं मोर्किताययुर्गमिलाजलधर्तु कानोयसंहातकं॥
गानैरुधनवैगहृतिरुडागं चन्द्रां सुसर्वीसकटुल्योसनयु
र्गवि॥ अमिगपुत्रैर्गुल्यो॥ अर्कमर्दयता॥ मूलाभीनवधेन्द्रैर्गु
नजनीयश्चिद्रिगाताम्बुगि॥ कन्याचिन्नेनाहिद्येऽपगन्धवैषी
हृगानमूलीसटी॥ रावैकोधनसं॥ यथकमुनिमिर्गिवालय
चल्लकैर्वैलैर्कैर्यकासपंचकडात्रैः॥ अमृमहादिकै।
पाष्टुकुष्ठगर्दरागन्दनहर्तैः॥ लैचगुल्मापहंस्त्रीनीगर्हक
नेप्रमानवल्कनेर्दूपापकल्यायुती॥ विष्णुगनेयुर्गमत्रीचार
यैर्गुयुर्गकैल्यद्रुमसंवयता॥ अस्याथा॥ तसरुसमागो॥ १८ कदा॥
गानकएस्म॥ गाम॥ यत्रोया॥ वैगके॥ विष॥ विद्रुम॥ मूका॥ मोनाम
की॥ १३ या मादी॥ मन॥ मिला॥ वैग॥ हीता॥ सर्व॥ मद्यपुन॥ ४ गोत्रस
त्यहावना॥ नो॥ गान॥ मो॥ थरावना॥ १० वाला॥ १० वासक॥ १० गताज॥ १०
नि॥ १० अ॥ वि॥ म॥ ध॥ १० ग॥ १० य॥ ग॥ १० न॥ १० कु॥ मा॥ त्रि॥ का॥ १० क॥ रु॥ की॥
अ॥ य॥ ग॥ ध॥ १० अ॥ क॥ ल॥ १० मू॥ म॥ त्री॥ १० क॥ चू॥ त॥ १० त॥ व॥ न॥ १० उ॥ रू॥ पा॥ ची॥ १०
मि॥ घ॥ टी॥ १० मा॥ गु॥ म॥ गी॥ २० अ॥ नू॥ यो॥ न॥ म॥ ध॥ पि॥ ये॥ ली॥ १० घ॥ त॥ म॥ त्री॥ च॥ ह॥ त्री॥ त॥
की॥ ग॥ य॥ ची॥ स॥ र्व॥ ता॥ ग॥ ह॥ त्री॥ १०॥ अ॥ य॥ म॥ द॥ न॥ १० ग॥ ल॥ क॥ त॥ स॥ ॥ स्व॥ र्द॥ ता॥ न॥
वै॥ ग॥ र॥ मी॥ पु॥ वालं॥ मो॥ कि॥ क॥ म॥ के॥ का॥ नि॥ वे॥ क्रा॥ न॥ ह॥ ति॥ च॥ न॥ स॥ र॥ स॥ म॥
स्य॥ व॥ धि॥ त॥ ॥ व॥ ध्या॥ क॥ को॥ ट॥ के॥ द॥ १० ग॥ डि॥ का॥ या॥ त॥ स॥ र॥ त॥ था॥ रा॥ व॥ य॥
ग॥ स॥ फ॥ वा॥ ना॥ धि॥ त॥ वि॥ ता॥ प॥ न॥ सा॥ ष॥ य॥ ता॥ ॥ ग॥ ल॥ के॥ मू॥ त॥ पु॥ न॥ ल॥ य॥
त्रि॥ धा॥ य॥ १० ध्यं॥ च॥ १० अ॥ ष॥ य॥ ता॥ ॥ ल॥ व॥ न॥ पु॥ त॥ य॥ ता॥ १० धु॥ त॥ न॥ म॥ १० ध्य॥ १० ग॥ ल॥
कै॥ छि॥ य॥ ता॥ ॥ गी॥ उ॥ व॥ का॥ धि॥ त॥ र्धा॥ थ॥ च॥ रु॥ यी॥ मी॥ पि॥ या॥ च॥ य॥ ता॥ स्वा॥
ग॥ भी॥ र्ग॥ त॥ स॥ र्व॥ क॥ रा॥ व॥ य॥ त॥ द॥ न॥ र॥ त्री॥ ॥ सा॥ म॥ ल्या॥ त्व॥ वि॥ दा॥ यी॥ थ॥ ह॥ रि॥
वा॥ म॥ त॥ धि॥ र्य॥ या॥ ॥ त्रै॥ द॥ र्णा॥ च॥ मू॥ म॥ ल्या॥ च॥ द॥ व्या॥ च॥ वि॥ व॥ म॥ य॥ या॥ ॥ वा॥
सा॥ र॥ व॥ दि॥ त॥ ग॥ का॥ वे॥ मा॥ ल॥ नी॥ स॥ त॥ प॥ न॥ के॥ क॥ पि॥ क॥ चू॥ त्रि॥ कै॥ न॥ न॥ के॥
ग॥ की॥ रु॥ न॥ रा॥ व॥ ना॥ ॥ कू॥ क॥ म॥ न॥ ग॥ ता॥ हा॥ था॥ न॥ स॥ द॥ म॥ न॥ १० ग॥ ल॥ क॥
व॥ ल॥ द॥ य॥ द॥ ना॥ मा॥ प्रा॥ पा॥ ष्टु॥ क॥ ष्टा॥ न॥ स॥ न॥ च॥ ॥ मिला॥ ज॥ तु॥ स॥ मा॥

युकोककैटीनसयपिवा॥ अस्मीनीसकैलारीवाभारव

युका कर्कटी न सय पिवा अस्मी नीस के लाही ला भतर
 हुं क ना निचा ॥ पुन न जाय न वा धिक्क थ अंच न पी दय
 गदची सल संयू के हुड यू के च दा प यत ॥ हु न न सर्व म
 हा नि मल का ध च जाय न ॥ वल पुष्टि सुथे की तिका या हु
 वल मरुत ॥ कृच्छ्र ध गु ग री ॥ ४५० ॥ उ य न का स सु दु स न ॥
 सु या नी वा धि ही नी ना य टा नी पि न न न सी ॥ नो मा ये स्य ग
 ह स गि न स ग न व का न यत ॥ स व न ४ काम संप्रापि का मि
 नो द यी नो भ न ॥ कृ न न काम वे ली य न सा म द न ॥ ग ल क ॥ ३
 अथ यं च वा ॥ ४५१ ॥ न सा गृ ह म न च वे री मा धि क ॥ ४५२ ॥
 नो ग भू ली म री क न स म ग ॥ ग नि का न यत ॥ का वि जं च म
 र्क टी वा हि ह न के ॥ न न नि च र्छ सै यू के ॥ ग दू न न च म
 द य न ॥ सा स ली न स ग व न न ल मू ली न स न वा ॥ न ला कू क
 म क र्क ल च न न च न व य न ॥ व ल य म च दा न यी सी ना ध
 की न सं यू गी ॥ अ वा द भ प्र म हा च न नि नो ग न न क ॥ ४५३ ॥
 म व ध य न नृ धं सु धं वा य न व ल र ॥ क थ ग ह न ॥ गो नी ल
 न सा री यं च वा न के ॥ ४५४ ॥ न स र स ग १ अ ग क १ स व र्छ १
 नो य १ वं ग १ स व र्छ मा धि १ ना ग १ ग म १ का न ला ह १ स व म क
 प्र म र्छ ॥ ग ल म क ना वी ड १ ४५५ ॥ सी वी ड १ अ र्छि १ म र्छ ॥ ग दू ग
 रा व ना दि न ३ सा स ली न स ३ म स नी ३ पि य ली का थ ३ क म नी का
 थ ३ क र्छ न ३ क क ल न स ३ न ला य ची का थ ३ च न न का थ ३ ॥ मा
 प्रा व ल र अ नृ यान ॥ म धू मा १० दृ ग मा १० ३ ध पा ठ १ र क ॥ ४५६ ॥
 गि क मा न न स ॥ न स न ग न्ध स ह टं क ॥ ह न वि र्छ च या र्छि च गि
 रि स मा नी ॥ क य र्छ र्छ र वा व पि न ग र गे म नी च र्छ म र्छ ग र्छ वि
 ॥ ध र्छ ॥ स य क र्छी वी री न स न च र्छ सि क्का र व द गि क मा न न
 व ॥ वि र्छ च का डी र्छि स मी न ना य ग र्छा द र्छ दा प य न न
 कि ला दा स १५

सन्तु॥ अथार्थ॥ या नागा१ गन्धक१ टंक१ विष३ कर्पू१ द२ स
खरमनीच८ उम्मीन३ सहावना१ माग्रावले२॥ अथकर्पू
न३ स॥ इति कादम्भरा१ अथचतुर्की मंत्रवलि सु॥ स॥ स॥
वैचार्क१ गी१ स्या१ गी१ लो१ च१ क१ वि१ नी॥ सर्वमकरकुक्कुटा१ गुनि
मुनि३ न३ म३ द३ य१॥ मालक१ च१ ग१ क१ ला१ य१ कु१ उ१ म३ र१ के१ प१ च१
यामे३ द३ म३ स३ र३ या१ के१ सी१ गी१ गी१ च१ का१ त३ य१॥ ना१ पि१ का१ क१ पि१ का१
म३ ध३ प३ च३ द्या१ म३ च३ गु३ क३ य३॥ प३ अ३ क३ व३ ति३ स३ ग३ द्या३ न३ स३ क३ य३ न३ स३
क३॥ क३ सु३ ती३ क३ न३ स३ वा३ ध३ ल३ व३ ग३ ना३ ग३ के३ स३ नी॥ डो३ गी३ ह३ ल३ जा
गि३ प३ गु३ ह३ म३ बी३ डो३ ग३ ध३ स३ र्ग॥ अ३ रि३ स३ म३ व३ ल३े३ मा३ न३ म३ ध३ ना३ (ग३ ध३
न३ न३ च॥ वा३ ग३ वा३ धि३ ह३ न३ दा३ म३ या३ द्यु३ का३ म३ के३ य३ सु॥ उ३ र३ द३ ग३
व३ का३ स३ व३ स३ र्ग३ ना३ (ग३ ध३ या३ ग३ ग॥ प्र३ गि३ द्या३ पु३ र्ग३ के३ द३ या३ न३ स३ क३ य३
न३ स३ र्ग३ क॥ अथार्थ॥ या३ ना३ ज३ ह३ ट३ क३ नि३ १० र३ व३ ति३ ५ स३ न्ध३ व३ १२ मि
ला३ डि३ ग३ १२ नि३ मु३ नि३ ल३ न३ म३ र्ग३ उ३ म३ र३ य३ न३े३ प३ च३ न३ या३ म३ १२ र३ न३
सी३ सी३ १ या३ च३ या३ म३ ५ र्ग३ नि३ सि३ र्ग॥ ह३ म३ बी३ डो३ वि३ र्ग३ व३ ग३ या३ न३ द३ ह३
न३ या३ क३ क३ नि३ हा३ ट३ जा३ न३ ही॥ ना३ ग३ व३ ली३ द३ ल३ स३ न३ म३ दि३ नी३ का३ म३
ल३ स३ क३ ल३ म३ रु३ ना३ म३ नी॥ अथार्थ॥ क३ न३ क३ बी३ डो३ वि३ र्ग३ १ व३ ग३ १ या३ न३
द३ हि३ ग३ १ अ३ क३ के३ ला३ हा३ १ ग३ म३ ल३ न३ स३ हा३ व३ ना३ मा३ ग्रा३ व३ ले३ र३ अ३
न३ या३ न३ ड३ र्ग॥ अथविनायक३ न३ स॥ न३ स३ ग३ न्ध३ क३ ला३ हा३ वि३ र्ग३ वि३
क३ गु३ मा३ दि३ के३ नि३ र्ग३ ३ वि३ ड३ या३ ध३ र्ग३ स३ न३ सा३ या३ न३ स३ य३ थ३ क३ स३ फ३
ध३ ला३ व३ क३ सि३ धि३ वि३ ना३ य३ क३ न३ स३ क३ न॥ अथार्थ॥ न३ स३ १ ग३ न्ध३ के३ १ ला३
ह३ १ अ३ क३ क३ वि३ र्ग३ १ वि३ क३ गु३ ३ सु३ व३ र्ग३ मा३ दि३ के३ १॥ नि३ र्ग३ ३ न३ स३ हा३ क३
१ वि३ ड३ या३ १ ध३ गु३ ल३ १ गु३ ल३ १ म३ १ य३ थ३ क३ ला३ व३ ना३ मा३ ग्रा३ व३ ले३ १ स३ र्ग३ द३ न३
॥ अथदिनार्ध३ द३ न३ ना३ म३ न३ स॥ न३ स३ हि३ ग३ ल३ डो३ पा३ ली३ क३ मा३ द३ नि३
वि३ म३ दि३ नी३॥ दि३ ना३ र्ध३ न३ द३ नी३ ह३ नि३ र्ग३ डो३ के३ सि३ ग३ या३ स३ ह॥ अथार्थ
या३ ना३ ना३ ला३ १ ग३ न्ध३ क३ १ हि३ ग३ ल३ १ डो३ पा३ ली३ द३ नि३ न३ स३ हा३ व३ ना३
१ अ३ न३ या३ न३ सि३ ग३ या३ स३ ह३ द३ या३ मा३ ग्रा३ व३ ले३ १॥ अथसीगादी

न३ स॥ अ३ न३ र्ग३ न३ स३ ह३ र्ग३ वि३ स३ व३ ली३ स्या३ र्ग३ न३ ना३ न३ के३ स३ र्ग३ र्ग३

नस॥ गुरुं कनसूरकं विषुवली स्यात्स्वयं न गानकं सवस्व
ल्वनलविमर्द्यटिका सकालवल्ली इव ॥ गंडो कप्रमिता सिता
यास हितरिषसा डिल केवानाथ वानकं दिप्रिचगुर्थक दानरु
नीसीगादिना मानस॥ **अथयुषधना नस॥** नसरुजं सलोहं चा
मुकं चप्रिता गं कनकं विडो सयष्टिम्भल्लो नागवल्ली॥ घृतमधु
सिता इव ॥ पुष्पनां धेदि वल्लो नमयति वडू काना प्रदिना नवीर्य
दाग्ध॥ **अस्यार्थ॥** या नागा १ गंधक १ नाग १ लोह १ अजक १ कनक १
सरुवना १ विडया नस १ विडया नस १ यठी मधुका थ १ सेवन
पान १ माग्रा वल्ल २ अन्रपान घृतमधु सितया॥ अष्टादस प्रमह
म्भनि॥ **अथ न विनाज मानानस॥** मृगतसन विवर्गीहम चूर्ण
नगुली कनहनस छर्षका किला कस्य वीड ॥ रवस हलमरि ४
(म्भकृता वयचग्रीवार्त नमयति वडू काना तिब्र महाप्रहारी॥ **अ**
स्यार्थ॥ मृगयानागा १ ग्राम १ वग १ हम १ अक किला हा ए वना ३ गालम
खाना ३ अदीमहा ३ समुद्रसा ३ माग्रा वल्ल ३ अन्रपान मधु
पियलिजा यहेल लवंग नुलाची न्वा उधगु पुष्टकमून॥ **अथल**
घुमालिनी वसन नस॥ दिता गं नसकं शुद्धं राग मेकं मनीचकं
सूक्ष्म चूर्ण गतः कला (म्भमयेन विरावयन॥ निम्बद्रावनगसर्व
यावतसिग्धगी वडागु वल्लमकं क धमको डे दीर्घगाय प्रयाडा
यन॥ कयया धुमयका सविषमवाहनीमकं॥ महाभगहदी
दाधनगु नाग पुयाडा यन॥ **अस्यार्थ॥** रवयनी यागा २ मनीच १
हीना १ (मेन वनी गन मर्द्य दिन ३ निम्बु नसन मर्द्य दिन ५ मा
ग्रा वल्ल १ अन्रपान मधुपियलिजीर्ण वाननाम्भ॥ **अथ चन्द्राय**
यन स॥ पल्लं मुद्रस्वर्णं दलं नसं यलाष्टकं धादम्भगंधुक
स्या॥ सूर्ये ४ सकर्षा सरुव ४ प्रसूने सर्व विमर्द्यरुक्रमानिका इव ४॥
गला चक्रेण निहिरी सुगमं मृत्कथं कृदिव सप्रयं च॥ पचक
मा (मे सि के गारखय कुगगा नडयल्ल वना गनम्भ॥ विगुक्क
वेगस्य पल्लं पलानि चत्वारः कर्पूरं नडयल्ल वना गनम्भ॥ **जानी हली सा**

षनमिन्दुपूर्यकसूनीकायामिहसानिमका॥उन्दादयायीक
थिगास्यमासासूकोहिबलिदलसंयुतच॥सदान्मदानाप्रमदा
भगानो गवीधिकचसिथिलववीगा॥अर्लघनीराममगीवछ
धर्ममृदुनिमासानिवमछकादि॥मायानयुका निहुरवायगूकाओ
नन्ददायीरवणीवचागु।वलीपनिगनाभनेननूधनीवयसैरुने
कनाति॥समस्तयाधिनाभनेप्रवनागर्पवानन॥भनेदोधीक
नातिचन्द्रादय॥**अर्थ**॥सुवर्लकी१पाता८गंधक१५मर्च
णककयीसपुष्यनस३कुमात्री३कावसीसीमृत्कप८०वाले
कायकुपाचअग्निप्रहन२४खागभानिःकास्य॥पुनःकपू
नगा१आडीदुल१कसूनीलवा५१समृद्ध५५१सूक्ष्मवर्लकी
लायानदक्षियमर्चनागवलीनसराव०मागमाष१अनू
याननागवलीघटीचतुर्थउपतांगइधमकेनापानेपय
राजनसर्वनागरुनी॥**अथपंचामृतनस**॥नसर्वगभयकगंध
लाहुरागसमासासैकोपववकुंदाचप्राकैपंचामृतनात
मा॥पंचवल्लमिदेरवादेकहमदोदहासंयुगा॥अग्निमाजीधगु
दुयकासंपंचविधैतथ॥जीर्लकात्रमनीचकसाथपानुहनी
मर्क॥वागभूलगुहदीदार्षलवादाषविवर्लनर्क॥मृगकु
छाभनीभूलसर्वमर्हनिवात्रन॥कर्लभूलनेगुनागिनव
दृष्टिप्रयत्ननी॥**अर्थ**॥नसरसगा१वंग१अगक१गंध१लाह१
प्रकृमर्चमागवल्लनअनूयानमधूपियलिसर्वनागरुन॥॥
अथषठाननस॥नसगंधकनायीवलाहवंगभयकमर्नी॥
स्वामिकारिकनिर्मादीषठानननैसंपत्रमागषडूडाकापू
मागधीमधुनासह॥षठाननसगुर्दीपंचामृतसमोभ्रदी॥
अथसविनीमात्रस॥नागलाहमृगनसंदेपद्रनेविमगुकी॥
लाहकानसकसमकुमात्रीनसमर्दिनी॥मागचतुष्टयसि
गावपलसयुनी॥दुयनागगुहदीदार्षसूखावनाधनेचन
गु॥गभमूरवमनाचकवागव्याधभनीहनी॥साहापा

हनीसर्कनाभनन्याप्रकीर्णन॥नससविमहाप्रक्ष

हनीमकं नागभनन्याप्रकीर्णान्॥ नमजविमहाप्रष्ट
सिधुनयनादग॥ पूर्ववत्समैकलोकमानितसगाविरी॥ अथ
वसनकुसुमाकननस॥ अथकुक्षोहातकैर्वदप्रयावंगमहि
कीगकै॥ चलातसुगममुचप्रवालीमोकिदैगथा॥ रावनागवि
इग्धकुवासाष्टिगिडालुनिसा॥ मोचकैदविदानित्यामालयासु
मनसुथा॥ भगवपुनसं॥ सफकुमारवायुथकुथके॥ यथ
नृगमदाणव्यसिधौनसनाटएवग॥ वलियनितनिर्मिक
मोद्यः कामदसुगाप्रमहाविभति॥ अथैवनागभनन्याप्रष्ट
न॥ नाभयसर्वनागभनियसनकुसुमाकन॥ अथाथी॥ सा
नारसमालारत्रपरवंग३नाग३कोनलोह३सुग४अप्रक
प्रवाल४मोकि४गविइग्धनरावना॥ अथकुसुमाकनवासा
वाल॥ हनिडा॥ कदतिकन्द॥ यागालकुष्माद्यु॥ चैवलीपुष्प
सवगीनस॥ कसुती॥ माग्रावल्लरअष्टादभप्रमहहनसुव
नागानुन॥ अथविषप्रहानिनस॥ गधससुगिनडानीचतुर्क
सटिकदीवेडिडालेनविष्ट॥ गद्यानमाग्रानखकानि॥ अहिचिष
निहंलादपिकालकट॥ विषप्रहानिचनसः॥ अथनहन्यादिष
लावनर्डीगमैव॥ अथाथ॥ गधक१यात्र१हनिडा१नीलाथु
१८कन१दददात्रीनसगावना॥ माग्राटंक१अनुर्या॥ गो
मृग॥ अथा॥ अथअनुर॥ यात्रा१लोहरगाम३गधकरटक
६५चवरखाल६विप्रकसेधवदनीमूलरगिकतु३लाग
लीकैदरकुचीलारवत्समृगनपुट३माग्रावल्लरअनुर्यान
सेधवअद्रकअ॥ अथगकुनि॥ अथयीयुषसिधुनस॥ सुग
अकिदैअसुकैअखरसैमोकिदैवगरसैसमानै॥ अगमै
लीमदिर्गअगावकसिधिनमाविस्थागयीयुषसिधु॥ हन
दाहपिर्कैधिदैवाकिनागंमाहाभाहमन्दानिकैचाम्
दिर्कै॥ अथवैदअननस॥ नसगीधविषंवाषजिलाऊप

भूलं भवहिं कायामद्राणि कामपिनर्कं ॥ वृक्षसर्वे
 चिगगान्धर्वसनिर्धया ॥ पृष्टिदेवर्षिना श्रुष्यं पुरुषस
 वकानर्कं ॥ चतुर्मुखनदवनेन न सै ॥ अर्धवैनिर्मिनी ॥ अ
 र्था ॥ न स ग १ गंधक १ अशुका १ न स चतुर्थ १ सुवर्धरुस
 नकशु मर्धक मात्री न स न रावना १ पुन ४ गं ॥ गलं कला १
 लछ पठन वष्यं ॥ गलीकं धन्य ना ॥ अस्त्राप्यदिन पुन ४
 र्ध ॥ अथ ॥ माग्रावल्ल अन्त्या न वि ॥ अथ सर्वव्याधि नृग ॥ अ
 कामिमदविर्धं सना न स ॥ कर्कलीक न न स गंधक १ अंशु
 ल्यरागकनकस्य विडी ॥ मर्दयत्कनकं लेसयुर्गं कामिनीम
 दविर्धं सना न स ॥ माग्रावल्ल र मधु १ कं लो १ अथ अन्त्या न स
 रुनं एव वि ॥ अथ द्वितीया वाग विर्धं सना न स ॥ बीडीकनक
 न स न अम रं स ग रा विनी ॥ वाग विर्धं सना नाम धनूवी न
 पुष्प सनी ॥ माग्रावल्ल र सनियाने के रु वाग सर्व ना ग ह न ॥
 अथ नत्र के भत्री न स ॥ दोनै कयै द्विविष स चर्व च व्यापान्ति
 गं मर्दिन ना ग व ल्या ॥ गंधक माग्रा नि न ड वि कान १ अला नि
 सा र्धं ग ड के स नी स्यात् ॥ अवका न गा १ कप र्द रु स १ विष १
 संधव १ थाष ३ ॥ नकशु मे र्धना ग व ली न स न पुट १ माग्रा व
 ल्ल १ अन्त्या न आद्रक न स संधव हि गुरु सर्व १ अला नि स निया
 न नृग ॥ अथ वाकि ह ना न स ॥ अथ ४ १ र्ध वली सु रं र्ध वली नृ
 ल्यं विमर्दिनी ॥ कन्या के न के ची ॥ गली न स ॥ गली विधि य ग ॥
 सक म लू र्थ ग लिला पृष्टि गा वी नि र्द न स ॥ दिव ल्ल रु मि ना
 प्रसाध्या सा धन १ अथ ॥ लाह रु स गा १ अंशु १ गंध
 क १ पा ना १ क मा नी न स रा व ना १ कन के न स १ ची ॥ गली न स
 माग्रावल्ल र अन्त्या न वा य वि र्द ग ॥ रु मि ना ग वा कि ना ग
 ह नी ॥ अथ चिना म हिन स ॥ न स र्द क हा ना न के क न नि र्क
 न थ मा कि के सा र्द रा ग म के ॥ चतुर्ग ग या र्थ म र्ग का न

लोहं द्विगुणं न विगंधकं सर्वं ॥ दृढं मर्दयन्निम्बुनी
न त्रियामं पृष्ठं दादसं ॥ अहनी हसकं ॥ विषं या जयत्वा
दम्भं ॥ अषट्पदं खलसिद्धिं चिकामनिवलेमके ॥ ददवाव
चीवीजपुलनूपानं हनं द्यागतालेमहासर्वकृष्टं ॥ हनवी
नीना ॥ गद्वानदीर्घदायमहासन्नियोगनसंवाद्रकवा ॥ द
दवान् ॥ ल्लादनेमृष्टुवागपुथाश्च निगृहादयं चान्तिर्गच्छ ॥
अथाथ ॥ १॥ अथवा तागा १ मनजिला १ टंकन १ अथहनिगान १
सर्वमाकी १ लोह १ कानेला १ ४ गुण १ गंधक १ निम्बुनसन
मर्दपुट २ १ अर्कनेसपुट ३ १ गताजनेसपुट ३ १ मागवल्ल १
यथयागागथमाग्रादेया ॥ अनूपानमागुनेसदिष्ट १० ॥ क
षनामवायूनूत ॥ सर्वतागहन् ॥ **अथवा** १ सुदनात्रस ॥ नस
गंधमृगं गामुं डौपालीचेव १ गृह्णते ॥ समा १ मा १ सैयूकं वे
टिकाकात्रयधृष्ट ॥ अर्कं केरु १ यथाग ४ ॥ अथाया १ सुप
मूचं गाभीगनीचडालंदयं गकं चाम्लविवर्जित ॥ **अथाथ ॥**
यातागा १ गंधक १ गामु १ डायपाल १ गविद्युगमर्दपुग ३ मा
गवल्ल १ अनूपानगविद्युगसीगादकपीनं ॥ अथपाद्युनू
न १ सुवर्जित ॥ **अथलक्ष्मीविलासत्रस ॥** १॥ नसगंधकं चोक्तं
गालं केचन गथनागवैगं यमं चार्कं हर्षं ॥ विद्रुमं हाटकं नोप
हसं पुदयं समसं चामुनीखेलमध्य ॥ सैरयासु निहिर्गं कृत्वा
डम्भीननप्रमर्दयन् ॥ कछमधूयूनीस्यवीसर्वनागवृथा
डयन् ॥ गरिपुष्टिकेत्रदीप्यं चकासहननेवल्लिपल्लितना
नी ॥ **अथाथ ॥** १॥ नसहस्रगा १ गंधक १ अर्क १ हनिगान १ विष १ ना
ग १ वीग १ लोह १ गामु १ प्रवाल १ सुवर्ण १ नोप १ डम्भीननिननम
र्दपुट १ मागवल्ल २ १ अनूपानमधूवियलि ॥ सर्वयाधिहन ४ ॥
अथनद्युमृगकत्रस ॥ १॥ अथासुनसमं हर्मं द्विगृहं मोकिर्कं हव
न् ॥ गंधकससमसं ननसपादसूटं कर्तुं ॥ सर्वं १ गलकक

काडिकेनाथ ॥ अथयन् ॥ १॥ नसहस्रगा १ गंधक १ अर्क १ हनिगान १ विष १ ना

[illegible]

अथ श्रीगणेशोपनिषद्

१३३ सुतं विषमं श्रुत्वा मादहलं यः॥ स जीहानं यवधानं वदति स
वजीनकं॥ सुवर्चलं विष्णुं गानि सामुद्रं शुभं समं॥ विषं तिहः स
वर्चुल्यं जमीनाभनमर्दयत्॥ गद्वटी वल्लेयुगलं स विगीजयति
ध्रुवं॥ वदति मायमजीर्णं च॥ विस्तर्यां ग्रहणी गद॥ भूलं कोष्ठगदना
पिनागनन्या भेदान्नान्॥ भूलं सर्वांगकं वापि भूलं च पतिष्ठाम
जं॥ पथ्याभु मिश्रुयाव॥ पलायं एकयस्तदा॥ ३३ यानां १ गन्ध
क १ विष १ श्रुत्वा माद १ ग्रिहला ३ साजी कान १ जवधान १ विष्णुक १ स
धव १ जीना १ स्ववचनलवध १ विष्णुग १ साहिलवध १ त्रिकरु ३
सर्वेष्वधसमानं कविलादया॥ कविला कीर्तिकं अथवागकं ए
दिनं गच्छपनीयं॥ जलनवद्वग्मं॥ प्रक्षाल्य त्वचाद्विद्वत्सुखं
ध्वं कृत्वा मिलादयत्॥ पश्चाद्दीननीनेधे पूर्यमाणवत्सरल
घृमाण १ श्रुत्वा पानघृतमसिच भूलनृ॥ श्रुत्वा केन स कृत्वा॥
लेनृ॥ विलेनागीसालपासाजले स गृहणीनृ॥ ॥ अथ गुडयो
मिसुतिनकहानी॥ सुतं गंधकेसकं जलीकार्यपर्यटीक्रमयत्
समं एगं॥ वालचूर्णसहितं प्रतिदास्यात्सामम्यसुगममयहनी
वल्लयुग्मयुगलं गदराजं भर्कनामधूर्यकीलदनी॥ नकाविल
गुडजसुतिया निष्प्रवमाग विनिवानेयं क्रिभ॥ अथ नाजज
लेनृ॥ कर्जलं ०० मं ०० अथ क मायमाग तिदाय श्रुती
भूलनृ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ मजवराग १ यमसरवा नृ
नृग ३ मायमाग विषमदाग भीन दाननृ॥ ०० मिर्मकस
नस॥ अथ श्रुत्वा ॥ यंचर्मं श्रुत्वा दग्धं च विषसर्पं त्रिगुणिकी
मनिचैतनं दगां च सिवानिजसमर्दिनं॥ वदति मायमजीर्णं च
वागभूलं गदायहं॥ ०० मिर्मश्रुत्वा ॥ अथ त्रिपुनरेन दीनस॥
वदवदं गुह्ययुथी ०० मिर्मनिचैतकनी॥ वदुर्थं वत्सनी रं च व
नं त्रिपुनरेन दी॥ ०० मिर्मिपुनरेन दीनस॥
हं ग विषमलं विहा गम धूलि जामसी नी सनीय सी स पा
ययाय यायो व ह धानके सं नि पाग व दव अ नी सान या
वा स॥ ०० गमन रं न व न स॥